क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 220, बुधवार, 05 सितम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ग्वालियर एयरबेस पहुंचे राफेल,वायुसेना के पायलटों को मिला प्रशिक्षण

नई दिल्ली ।

राफेल सौदे को लेकर मचे बवाल के बीच फ्रांस सरकार ने तीन राफेल लड़ाकू विमानों को ग्वालियर में एक प्रदर्शनी में पेश किया है। भारत में फ्रांस के राजदूत एलेक्जेन्डर जिगलर ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है उन्होंने लिखा , भारत और फ्रांस अपनी सामरिक साझेदारी की इस साल 20वीं वर्षगांठ मना रहे हैं और इस मौके पर दोनों वायु सेनाओं के बीच आदान प्रदान की गतिविधियों से मैं दंग हूं। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने लिखा , ग्वालियर में तीन राफेल विमान , एक एयरबस ए-400 एम, सैन्य मालवाहक विमान,एयरबस ए-310 की टीम के पायलटों और प्रभारी से मिलकर खुशी हुई। फ्रांसीसी वायु सेना ने दोनों देशों के बीच सामरिक भागीदारी के 20 वर्ष पूरे होने के मौके पर 'मिशन पिगासे' का आयोजन किया था। सूत्रों का कहना है कि इससे दोनों देशों के बीच की साझेदारी के महत्व का पता चलता है।? फ्रांसीसी दूतावास ने भी कहा है कि मिशन पिगासे दोनों पक्षों की साझेदारी की मजबूती तथा सशस्त्र सेनाओं के बीच परस्पर विश्वास का प्रतीक है। इससे पहले मिशन के तहत फ्रांसीसी विमानों ने भारतीय वायु सेना के विमानों के साथ संयुक्त अभ्यास में हिस्सा लिया।

इस मिशन के तहत यह हवाई बेड़ा इंडोनेशिया, मलेशिया, वियतनाम और सिंगापुर होते हुए तीन दिन के लिए भारत में रुका था। मिशन का मंगलवार को अंतिम दिन है।

संक्षिप्त समाचार

मेजर गोगोई मामला: सेना प्रमुख ने कहा, नैतिक कदाचार पर कड़ाई से निपटा जाएगा

नई दिल्ली। श्रीनगर के एक होटल में एक स्थानीय महिला से मेलजोल बढ़ाने के मामले में दोषी पाए गए मेजर लीतुल गोगोई का उल्लेख करते हुए सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने मंगलवार को कहा कि नैतिक कदाचार और भ्रष्टचार के किसी भी मामले में कड़ाई से निपटा जाएगा। जनरल रावत ने कहा कि मेजर गोगोई के खिलाफ उनके अपराध को देखते हुए कार्रवाई की जाएगी। जनरल रावत ने मेजर गोगोई के संबंध में प्रश्नों का जवाब देते हुए नई दिल्ली में संवाददाताओं से कहा, ''मैंने स्पष्ट कहा था कि नैतिक कदाचार और भ्रष्टचार के किसी भी मामले में बेहद कड़ाई से निपटा जाएगा। कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी ने सिफारिश की है कि हमें कोर्ट मार्शल की कार्यवाही करनी चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''अगर यह नैतिक कदाचार का मामला है तो हम उसी अनुसार कार्रवाई करेंगे। अगर कुछ और मामला है तो सजा उनके किये अपराध के हिसाब से दी जाएगी।'' सेना की कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी में पिछले महीने मेजर गोगोई को श्रीनगर के एक होटल में एक स्थानीय महिला से दोस्ती करने और उनके कार्यस्थल से दूर रहने के मामले में दोषी ठहराया गया था। मेजर गोगोई को कहासुनी के बाद मई महीने में पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। वह उस समय कथित तौर पर 18 साल की महिला के साथ श्रीनगर के होटल में घुसने की कोशिश कर रहे थे। मेजर गोगोई पिछले साल कश्मीर में श्रीनगर लोकसभा उपचुनाव के दौरान पथराव की घटनाओं के खिलाफ अपनी जीप के बोनट पर एक नागरिक को मानव ढाल के रूप में बांधने के बाद खबरों में आए थे। तब जनरल रावत ने उन्हें सेना प्रमुख के प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया था।

पाटीदारों के आरक्षण के लिए आयोग गठित हो: देवेगौड़ा

बेंगलुरु।

पूर्व प्रधानमंत्री एवं जनता दल (सेक्युलर) सुप्रीमो एच डी देवेगौड़ा ने अन्य पिछड़ा वर्ग के तहत पाटीदारों के लिए आरक्षण की मांग पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आयोग गठित करने का आग्रह किया है। देवेगौडा ने पाटीदार नेता हार्दिक पटेल की भूख हड़ताल खत्म कराने के लिए हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। वह पिछले 11 दिनों से अनशन पर बैठे हैं। उन्होंने कहा, यह एक गंभीर मामला है। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करें और पिछड़े वर्ग और समुदाय के हित में युवा पाटीदार नेता के जीवन को बचाया जाए। देवेगौड़ा ने याद दिलाया कि उनके प्रधानमंत्री रहने के दौरान राजस्थान में जाट समुदाय की मांग के मद्देनजर एक आयोग का गठन किया गया था, जो आर्थिक पिछड़ापन और पिछड़ा श्रेणी के तहत आरक्षण की मांग कर रहे थे और रिपोर्ट के आधार पर राजस्थान के जाट अन्य पिछड़े वर्ग की केन्द्रीय सूची में शामिल हुए थे। देवेगौड़ा ने पटेल को एक अलग पत्र लिखा जिसमें उन्होंने पटेल को अनशन समाप्त करने की सलाह दी, अनशन के कारण उनका स्वास्थ्य दिन-प्रतिदिन खराब हो रहा है। उन्होंने लिखा, आप एक युवा हो और अच्छे कामों की आगे की लड़ाई के लिए आपकी सेवाओं की आवश्यकता है।

सुरक्षाबलों की फायरिंग में युवक की मौत के बाद कश्मीर में बंद

श्रीनगर । दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में सुरक्षाबलों के साथ झड़प में एक युवक की मौत के बाद मंगलवार को एहतियात के तौर पर कॉलेजों और माध्यमिक विद्यालयों को बंद रखा गया है। पुलवामा के गुसू गांव में सोमवार को सुरक्षाबलों की प्रदर्शनकारियों और पथराव कर रहे लोगों के साथ झड़प हुई। इस दौरान गोलीबारी में 26 वर्षीय फयाज अहमद वानी की मौत हो गई थी। युवक की मौत होने की खबर फैलने के साथ ही दक्षिण कश्मीर के इलाकों में तनावपूर्ण स्थिति हो गई। प्रशासन ने श्रीनगर और पुलवामा जिले के बीच रेल सेवाओं को रद्द करने के भी आदेश दिए हैं। घाटी में अन्य जगहों पर विश्वविद्यालय, कॉलेज और स्कूल सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं। बता दें कि खुफिया इनपुट के जरिए सेना की राष्ट्रीय राइफल्स को पुलवामा के गुसू और इसके आसपास के गांवों में आतंकी मूवमेंट की जानकारी मिली थी। इस सूचना पर सेना की 55 राष्ट्रीय राइफल्स, जम्मू.कश्मीर पुलिस की एसओजी और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों ने सोमवार सुबह करीब 7 बजे पुलवामा के कई गांवों की घेराबंदी की। इसके बाद गुसूए शेखपोराए मित्रीगाम, फरासीपोरा और रोहमू समेत कुल 20 गांवों में सेना ने बड़े स्तर पर सर्च ऑपरेशन की शुरुआत की। इस कार्रवाई के दौरान तनावपूर्ण माहौल के बीच कई इलाकों में हिंसक प्रदर्शन शुरू हो गए।

सोपोर में सीआरपीएफ पार्टी पर ग्रेनेड हमला, 3 जवानों सहित 4 घायल

श्रीनगर। मंगलवार सुबह आतंकवादियों ने सोपोर में सीआरपीएफ पार्टी पर घात लगाकर ग्रेनेड हमला किया। हमले में तीन सीआरपीएफ जवान और एक सिविल नागरिक घायल हो गया। रिपोर्ट के अनुसार यह हमला संग्रामा क्षेत्र में किया गया। एसएसपी जावेद इकबाल ने हमले की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि चार लोगों को छर्रे लगे हैं जिनमें एक सिविल नागरिक है और तीन सीआरपीएफ कर्मी है। घायलों की पहचान कांस्टेबल राधे श्याम, कांस्टेबल शकील और कांस्टेबल धर्म दास तिवारी के रूप में हुई है जबकि सिविल नागरिक की पहचान हिलाल अहमद खांडे पुत्र अब्दुल्ल क्यूम खांडे निवासी सोपोर के रूप में हुई है। घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। सभी घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि हमलावरों की तलाश हेतु तलाशी अभियान चलाया गया है।

कश्मीर से जालंधर ले जाई जा रही थी 22.145 किलो हेरोइन की खेप

कदुआ ।

कश्मीर के हंदवाड़ा से पंजाब के जालंधर ले जाई जा रही हेरोइन की बड़ी खेप की तस्करी के प्रयास नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो ने विफल किया है। गत दो दिन पूर्व ही ब्यूरो की टीम ने कठुआ के पल्ली मोड़ में नाके के दौरान कश्मीर के तीन युवकों को हिरासत में लिया था। टीम ने एक सेंट्रो गाड़ी को भी जब्त करते हुए खेप बरामद की थी। यह खेप कहां जानी थी इसके लिए ब्यूरो की टीम पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर रही थी। पूछताछ के आधार पर टीम ने पंजाब के जालंधर में दबिश देते हुए एक अन्य आरोपी को पकड़ा है जिसे 17 लाख 49 हजार 400 रुपये की राशि बरामद करते हुए उसकी कार को भी जब्त किया है। इसकी खुलासा टीम ने मंगलवार को लखनपुर टोल प्लाजा में पत्रकारवार्ता कर किया। पकड़ी गए खेप की कीमत एक सौ करोड़ रुपये के आसपास है। ब्यूरो के जोनल यूनिट जम्मू के निदेशक वीरेंद्र यादव ने पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कश्मीर से इससे पहले भी आरोपियों ने करीब बीस किलो की खेप अमृतसर में सप्लाई की थी। ब्यूरो की टीम इनपर नजर बनाए हुए थे। सूचना के आधार पर गत 2 सितंबर को पल्ली मोड़ में नाके के दौरान सेंट्रो कार नंबर जे.के.03सी.-4756 को रोका और कार सवार बशीर अहमद मीर पुत्र अली मोहम्मद मीर निवासी लच्छीपोरा तहसील हंदवाड़ा जिला कुपवाड़ा, फिरोज अहमद पुत्र मोहियुदीन निवासी गंगाथ पुरा कुपवाड़ा, वसीम अहमद भट्ट पुत्र मोहम्मद सुल्तान भट्ट निवासी साहिथल कुपवाड़ा को हिरासत में लिया था। कार की पिछली सीट, डिक्की में छिपाकर रखी गई करीब 22.145 किलोग्राम हेरोइन बरामद की थी। इनसे पूछताछ के बाद जम्मू यूनिट की टीम ने सब जोन अमृतसर और स्थानीय पुलिस टीम के सहयोग से जालंधर के ट्रांसपोर्ट नगर से परमजीत सिंह पुत्र जगजीत सिंह निवासी रुड़ीवाला, तरणतारण पंजाब को हिरासत में लिया। उसे करीब 17 लाख 49 हजार 400 रुपये बरामद किए जो कश्मीर के इन आरोपियों को इस खेप के एवज में दिए जाने थे। टीम ने परमजीत की कार पीबी10डी.ई-7331 को भी जब्त किया है। तमाम आरोपियों पर एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि यह नारकोटिक ब्यूरो की बड़ी सफलता है।

इस वर्ष अब तक 11 ऐसे बड़े नशीले पदार्थों की तस्करी के प्रयासों को विफल किया जा चुका है। हेरोइन के तस्करों का नेटवर्क कश्मीर से लेकर पंजाब सहित अन्य राज्यों से जुड़ा है।

बारामूला में करंट लगने से युवक की मौत

श्रीनगर । उत्तर कश्मीर के बारामूला जिले में एक युवक की करंट लगने से मौत हो गई। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि 22 वर्षीय युवक शाकिर नबी दार सोमवार को पट्टन क्षेत्र में गोहल टेंगपुरा स्थित अपने घर पर बिजली की तार से करंट लगने कारण बुरी तरह से झुलस गया। शाकिर को उपचार के लिए तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में मानसून सक्रिय, मूसलाधार बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में अगले तीन दिन तक दक्षिण पश्चिम मानसून की सक्रियता को देखते हुए उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ इलाकों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक चरण सिंह ने सोमवार को बताया कि मैदानी इलाकों में हवा के कम दबाव का क्षेत्र बनने के कारण दक्षिण पश्चिम मानसून अपने अंतिम चरण के दौर में इन इलाकों में सक्रिय रहेगा। इसकी वजह से उत्तराखंड और पश्चिमी एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश के विभिन्न इलाकों में अगले 72 घंटे तक भारी बारिश की आशंका है। इसके अलावा मध्य प्रदेश के पश्चिमी इलाकों और पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर अगले दो दिन तक मूसलाधार बारिश की चेतावनी जारी की गई है। उन्होंने बताया कि इन इलाकों में सोमवार को भी भारी बारिश का दौर जारी है। यह स्थिति अगले दो से तीन दिन तक बरकरार रहेगी। सिंह ने बताया कि इस बाबत चेतावनी वाले तीनों राज्यों को शासन और प्रशासन के स्तर पर मौसम की संभावित स्थिति से अवगत कराते हुए सभी ऐहतियाती इंतजाम करने का परामर्श भी दिया गया है। खासकर उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश की आशंका को देखते हुए राज्य आपदा प्रबंधन को विशेष इंतजाम करने को कहा गया है। मौसम संबंधी पूर्वानुमान के अनुसार मंगलवार को मध्य प्रदेश के उत्तर पश्चिम इलाकों में छिटपुट स्थानों पर अतिवृष्टि और हिमाचल प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल के गंगा के तटवर्ती क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर तेज बारिश की आशंका जताई गई है। इसके अलावा बुधवार को उड़ीसा और पश्चिम बंगाल के अलावा पूर्वोत्तर राज्यों असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के कुछ इलाकों में भारी बारिश का अनुमान व्यक्त किया गया है।

जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में कुख्यात अपराधी गिरफ्तार

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में एक कथित कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार कर उसे जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के अंतर्गत हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गुढ़ा सलाथिया की उड्ड मंडी गांव के एक निवासी योगेश्वर सिंह उर्फ 'जैबू' को सोमवार को एक विशेष पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर लिया। उसे पीएसए के अंतर्गत वारंट जारी होने के बाद उसे कठुआ जिला जेल में डाल दिया गया। उन्होंने बताया, 'सिंह एक आदतन अपराधी है और उसकी गतिविधियां हानिकारक है। उसका मकसद न केवल शांतिपूर्ण और कानून का पालन करने वाले नागरिकों के बीच आतंक पैदा करना था बल्कि आपराधिक गिरोह बनाने का भी था।' प्रवक्ता ने बताया कि जिला पुलिस ने सिंह के पूरे रिकॉर्ड को संकलित कर एक फाइल तैयार की जिसे देख सांबा के उपायुक्त ने पीएसए के तहत एक वारंट जारी किया। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में सिंह कई अपराधों में संलिप्त पाया गया है। 2015 से उसके खिलाफ चार मामले दर्ज किये जा चुके हैं। उन्होंने बताया 'कई बार उसे पकडने के लिए दल गठित किए गए लेकिन वह चकमा दे कर भाग निकलता था।'

निजाम के संग्रहालय से सोने का टिफिन और हीरे का कप चोरी, करोड़ों में थी कीमत

नेशनल डेस्क।

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद स्थित निजाम के संग्रहालय से ऐतिहासिक महत्व के बेशकीमती रत्न जड़ति सोने का टिफिन बॉक्स, चाय का कप, चम्मच और तश्तरी चोरी हो गये हैं। निजाम की पुरानी हवेली स्थित संग्रहालय को रविवार रात ताला लगाकर बंद किया गया था। संग्रहालय के अधिकारियों के अनुसार टिफिन बॉक्स पर दुर्लभ हीरे जड़े हुए थे। चोरी हुई ऐतिहासिक धरोहर का वजन लगभग तीन किलोग्राम है। अधिकारियों के अनुसार संग्रहालय से चोरी हुआ सामान बेशकीमती है। सभी ऐतिहासिक महत्व का सामान वर्ष 1936 में हैदराबाद के अंतिम निजाम मीर उस्मान खान (सप्तम) को उनके शासनकाल की सिल्वर जुबली के मौके पर उपहार स्वरूप भेंट किया गया था। पुलिस के अनुसार चोर संग्रहालय के प्रथम तल पर स्थित झरोखों से इमारत में घुसे। संग्रहालय की इमारत 19वीं शताब्दी की बनी हुई है। चोरों ने इमारत में घुसने के लिए लोहे की छड़ का इस्तेमाल करके ऐतिहासिक धरोहर के आसपास बने शीशे को तोड़ा। इस्तेमाल की गयी लोहे की छड़ को संग्रहालय से बरामद किया गया। पुलिस का मानना है कि संग्रहालय की लचर सुरक्षा व्यवस्था के कारण चोर बिना किसी परेशानी के बहुमूल्य सामान को ले जाने में सफल हुए। पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरों को पकडने के लिए टीमों का गठन कर दिया है।

दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट से कहा, 2020 तक जाम से पूरी तरह मुक्त होगी राजधानी

नई दिल्ली।

दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि राजधानी को 2020 तक जाम से पूरी तरह मुक्ति मिल जाएगी। भीषण जाम को लेकर आलोचना झेल रही दिल्ली पुलिस ने कोर्ट में हलफनामा दायर कर यह बताया कि उसका दिल्ली को जाम मुक्त करने का प्लान क्या है, जिससे एयर पलूशन भी फैलता है। पुलिस ने कहा कि सबस पहले उन्होंने 28 सबसे ज्यादा जाम वाले कॉरिडोर्स की समस्या हल करने का लक्ष्य तय किया है जोकि दिसंबर 2020 तक पूरा हो जाएगा। पुलिस के मुताबिक उन्होंने डीडीए और नगर निकायों समेत सभी संबंधित एजेंसियों को टाइमलाइन जारी कर दी है। दिल्ली के 77 शहरों को तीन कैटिगरीज में बांटा है जिसमें 28 इलाके भीषण जाम की समस्या से जूझ रहे हैं तो वहीं 30 इलाकों में जाम की समस्या थोड़ी कम है जबकि 19 इलाकों में मामूली-सा जाम लगता है। पुलिस इन कैटेगरी के हिसाब से शहरों में काम कर रही है।

पाकिस्तान सभी देशों के साथ अच्छे संबंध चाहता है।

अफगान में भारत की भूमिका पर अमरीका के विचार से सहमत नहीं पाक

इस्लामाबाद ।

अफगानिस्तान में भारत की भूमिका को लेकर अमरीका के रुख पर पाकिस्तान ने असहमति जताई है। पाकिस्तान के सूचना एवं प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी का कहना है कि वे अमरीका के इस विचार से सहमत नहीं है कि अफगानिस्तान में शांति बहाली में भारत कोई भूमिका निभाए। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री इमरान खान और सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा आंतरिक और बाहरी सुरक्षा मुद्दों पर एक मत हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का पूरी तरह से स्पष्ट मत है कि अफगानिस्तान में भारत को कोई भूमिका नहीं है। नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री और सेना प्रमुख ने विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की है। फवाद के बयान के हवाले से एक अखबार ने कहा कि अमेरिका, भारत को अफगानिस्तान में भूमिका देना चाहता है लेकिन पाकिस्तान को यह मंजूर नहीं है। हालांकि, उन्होंने बैठकों में होने वाली चर्चाओं के हवाले से कहा कि पाकिस्तान और अमरीका इस बात पर सहमत हैं कि अफगानिस्तान में स्थायित्व के बाद अमरीका को वहां से जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सभी देशों के साथ अच्छे संबंध चाहता है। रिपोर्ट के अनुसार मंत्री ने कहा कि भारत का एक वर्ग पाकिस्तान को कमजोर करना चाहता है और दूसरा वर्ग पाकिस्तान के साथ शांतिपूर्ण रिश्ते चाहता है। उन्होंने कहा कि भारत में अगले साल लोकसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में भारतीय नेतृत्व मुद्दों पर बातचीत की पाकिस्तान की इच्छा पर शायद सकारात्मक प्रतिक्रिया न दे सके।

आर.आई.एल. ने तिरुमाला मंदिर को दिया 1.1 करोड़ का दान

तिरुपति। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आर.आई.एल.) ने तिरुमाला के निकट स्थित भगवान वेंकटेश्वर के मंदिर में सोमवार को 1.1 करोड़ रुपए का दान दिया। उसने यह भी अनुरोध किया कि इस धन का इस्तेमाल मंदिर द्वारा संचालित यहां के श्री वेंकटेश्वर प्राणादान न्यास के लिए किया जाए। कंपनी के एक प्रतिनिधि ने मंदिर के अधिकारी को 1.1 करोड़ रुपए का डिमांड ड्राफ्ट सौंपा। मंदिर के एक अधिकारी ने बताया कि दान की रकम का इस्तेमाल एस.वी. प्राणादान न्यास के लिए किया जाएगा। इसकी स्थापना वर्ष 2001 में हुई थी। न्यास की स्थापना मंदिर द्वारा यहां संचालित सुपर स्पैशलिटी अस्पताल में जानलेवा बीमारियों से पीड़ित मरीजों को मुफ्त चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए की गई है।

संपादकीय

रुपये की सेहत

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट का सिलसिला जिस तरह थमता नहीं दिख रहा उसके चलते यह भी अंदेशा उभर आया है कि कहीं वह प्रति डॉलर 72-73 तक न पहुंच जाए। इस अंदेशे का आधार यह है कि बीते एक पखवाड़े में रुपये में 85 पैसे की गिरावट दर्ज की जा चुकी है। हालांकि एक तर्क यह भी है कि रुपये का मूल्य वास्तविक मूल्य से अधिक हो गया था और मौजूदा गिरावट उसे व्यावहारिक स्तर पर ला रही है। इस तर्क को निराधार नहीं कहा जा सकता, लेकिन इसकी अनदेखी भी नहीं की जा सकती कि रुपये के टूटने से पेट्रोल-डीजल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। एक सीमा के बाद पेट्रोलियम पदार्थो के बढ़े मूल्य महंगाई बढ़ाने वाले साबित होंगे। चूंकि भारत कच्चे तेल का एक बड़ा आयातक है इसलिए उसे उसकी खरीद में कहीं अधिक डॉलर देने पड़ रहे हैं। एक समस्या यह भी है कि कुछ तेल उत्पादक देशों के संकट से दो-चार होने के कारण कच्चे तेल के मूल्य भी बढ़ रहे हैं। डॉलर के मुकाबले कमजोर होता रुपया और कच्चे तेल के बढ़ते मूल्य भारतीय अर्थव्यवस्था के समक्ष एक तरह से दोहरा संकट खड़ा कर रहे हैं। चूंकि कच्चे तेल के साथ अन्य तमाम वस्तुओं का भी आयात होता है इसलिए अधिक डॉलर की निकासी विदेशी मुद्रा के भंडार पर भी असर डाल रही है। निःसंदेह कमजोर होते रुपये का एक पहलू यह भी है कि निर्यातकों को राहत मिल रही है, लेकिन यह राहत चालू खाते के घाटे को कम करने में मुश्किल से ही सहायक बनती है और तथ्य यह है कि रुपये में गिरावट का एक कारण चालू खाते का घाटा बढ़ना भी है। हालांकि रुपये की कमजोरी के पीछे कुछ अन्य कारण भी हैं, लेकिन वे ऐसे हैं जिन पर भारत का कोई जोर नहीं, जैसे कि अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध एवं ईरान को लेकर अमेरिकी रवैये का और सख्त होना।1यह कोई शुभ संकेत नहीं कि रुपये में गिरावट का सिलसिला कायम रहने के आसार हैं। यदि यह सिलसिला लंबा खिंचा तो कमजोर रुपया महंगाई को बल प्रदान करने के साथ ही विकास दर पर भी असर डालने वाला साबित हो सकता है। यह सही है कि डॉलर के मुकाबले अन्य देशों की मुद्रा में भी गिरावट आ रही है, लेकिन तेज गिरावट का सिलसिला चिंतित करने वाला है। अब तो ऐसे भी संकेत मिल रहे हैं कि भारत की गिनती उन देशों में होने जा रही है जिनकी मुद्रा में कहीं अधिक गिरावट दर्ज हो रही है। यह भी ठीक नहीं कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था में सुधार होने के कारण विदेशी पूंजी तेजी के साथ बाहर जा रही है। रुपया जिन बाहरी कारणों अर्थात अंतरराष्ट्रीय कारणों से कमजोर हो रहा उनके संदर्भ में तो कुछ नहीं किया जा सकता, लेकिन जब भारतीय मुद्रा पूरी तौर पर नियंत्रण मुक्त नहीं है तब फिर रिजर्व बैंक को उसकी सेहत की चिंता करनी ही होगी। रिजर्व बैंक के साथ-साथ सरकार को भी सतर्क रहना होगा, क्योंकि अगर महंगाई ने सिर उठा लिया तो फिर उस पर आनन-फानन काबू पाना संभव नहीं होगा।

अच्छे-बुरे दोनों रूप

जनगणना/ प्रेम कुमार मणि

पेशों की शुचिता, जो जाति प्रथा का आधार थी, बहुत हद तक खत्म हो चुकी है। छूत-अछूत के भेदभाव भी न के बराबर हैं। लेकिन जातीय अस्मिताओं का एक नया दौर शुरू हुआ है, जिसमें ऊंचे और निचले दोनों जाति समूहों के कुछ घाघ-होशियार लोग अपनी-अपनी दलीलें पेश कर रहे हैं। वैज्ञानिक और सम्यक सोच, दोनों के पास नहीं हैं। दोनों अपनी-अपनी सोच में वर्चस्ववादी इरादे छुपाए बैठे हैं। ऐसे में जातिमुक्त आधुनिक समाज के पक्षधर सामाजिक दार्शनिकों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। उन्हें मुश्किल समय को संभालना है। तीसरे पक्ष का सम्यक विमर्श ही नये भारत को आगे ले जा सकेगा।

भारत में जनगणना या सेन्सस की शुरुआत अंग्रेजों ने 1861 में की थी। इसमें जाति भी एक बिंदु होता था। इस जातिवार सेन्सस के साथ अफवाह उड़ी कि जाति गणना में जो अनुक्रम होगा, उसी के अनुरूप सरकार उस जाति के लोगों से व्यवहार करेगी। यानी जो क्रम में ऊंचे पायदान पर होगा उससे बेहतर और जो निचले क्रम में होगा, उससे कमतर किस्म का व्यवहार होगा। इसके कारण ही समाज में जाति सभाओं का दौर आरंभ हुआ। जाति सभाओं ने सरकारी हाकिमों को प्रतिवेदन देने शुरू कर दिए कि हमारी जाति कितनी श्रेष्ठ है। इसने समाज के पढ़े-लिखे लोगों में जाति को लेकर एक उत्सुकता पैदा कर दी। साक्षर, अंग्रेजीदां, नौकरीपेशा से लेकर कोढ़ी, अंधे, विकलांग आदि भी किस जाति में कितनी संख्या में हैं, यह सब कुछ हमने जाना था। इन सब का अच्छे-बुरे दोनों रूपों में उपयोग हुआ। इसके राजनीतिक प्रतिफलन भी प्रकट हुए। अनेक लोगों के मन में भाव आया कि सामाजिक सेवा की इकाई यह जाति समाज ही है। बिहार में सच्चिदानंद सिन्हा और सहजानंद सरस्वती जैसे लोगों ने जाति के बीच ही सेवा का कार्य आरंभ किया। कांग्रेस के नेतृत्व में राष्ट्रीय आंदोलन आरंभ हुआ तो इसे जाति और नेशन या राष्ट्र में संगति स्थापित करने में काफी कठिनाई हुई। लेकिन अंततः जाति से जमात की ओर बढ़ने में हम किसी तरह कामयाब हुए। ब्रिटिश राज में आखिरी जनगणना 1931 में हुई। 1941 में विश्व युद्ध के कारण जनगणना नहीं हुई। 1951 में जब जनगणना हुई तब जाति के बिंदु को त्याग दिया गया। यह संभवतः नई राष्ट्रीयता की मांग थी। इसलिए 1931 की जनगणना ही जाति संबंधी आंकड़े प्राप्त करने का आधिकारिक स्रोत रह गया। आज तक हम उसी से काम चला रहे हैं। इस बीच, देश का तो बंटवारा हुआ ही राज्यों के भी कई दफा पुनर्गठन हुए। नये जिले बने। इन तमाम इकाइयों में आज भी बहुत से काम के लिए जाति आंकड़े अपेक्षित हैं, लेकिन हम पुराने आंकड़ों से खानापूर्ति करने के लिए अभिशप्त हैं। भारतीय समाज में जाति अंग्रेज या मुगल नहीं लाए थे। यह सामाजिक व्यवस्था जाने कब से थी। इसकी उपस्थिति की जानकारी इसके विरुद्ध हुए आंदोलनों से होती है। प्राचीन, मध्य और आधुनिक, तीनों कालों और उत्तर, दक्षिण, पूरब, पश्चिम सभी क्षेत्रों में इसकी मौजूदगी रही। समाज में जाति है, तब इसकी उपेक्षा कर हम नहीं चल सकते। जाति को आधार बना कर जब हम समाज कल्याण की योजनाएं बनाएंगे और समाज के पिछड़े तबकों को आरक्षण जैसे विशेषाधिकार देंगे, तब अपेक्षित होगा कि हमारे पास सुनिश्चित आंकड़े हों। जिन तबकों के लिए हम विशेषाधिकार मुहैया कर रहे हैं, उनकी संख्या और स्थिति वस्तुतः क्या है? उन्हें अधिक या कम तो नहीं मिल रहा है? फिर हर दस वर्ष पर सेन्सस होगा, तब उससे इन योजनाओं का आकलन भी होगा कि इससे क्या परिवर्तन हुए। एक समय पर इन जाति विशेष को इस वर्ग से बाहर करने की भी हम तभी सोच पाएंगे। इस नजरिये से जातिवार जनगणना अपेक्षित है। लेकिन इसका एक अलग रूप भी प्रकट होने की संभावना है, जो उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्ध में हमारे यहां दिख चुका है, जिसकी चर्चा ऊपर ही मैंने की है। वह है एक नये किस्म के जातियुद्ध की। हमें तय करना होगा कि हमें जाति केंद्रित समाज बनाना है, या जाति मुक्त। जाहिर है कि मेरे जैसे ज्यादातर लोगों का झुकाव जातिमुक्त समाज की तरफ है। लेकिन उन्नीसवीं सदी और इक्कीसवीं सदी के भारत में एक अंतर आया है। वह यह कि उन्नीसवीं सदी में दलित-पिछड़े तबकों से एक स्वर में जाति को नकारने की बात उठती थी। वहीं, प्रश्रयप्राप्त तबका जाति प्रथा की भूरी-भूरी प्रशंसा करता था। इसलिए कि इस प्रथा से प्राप्त विशेषाधिकारों का वह लाभ उठा रहा था। इसी के कारण उसे समाज में वर्चस्व प्राप्त था। पनघट, मंदिर, स्कूल, कॉलेजों से लेकर जीवन के हर ठौर पर उसे जाति के आधार पर सम्मान और वर्चस्व प्राप्त था। नये संविधान ने जैसे ही ''एक व्यक्ति एक वोट' का अधिकार सबको दिया और सामाजिक पिछड़ेपन को विशेषाधिकार का आधार घोषित किया, स्थितियां बदलने लगीं। अब जाति प्रथा का विरोध दलित-पिछड़ों की तरफ से न होकर पूर्व के प्रश्रयप्राप्त तबकों की तरफ से होने लगा है। उनके जाति विरोध में एक चालाकी छुपी हुई है, जो केवल उन्हें नहीं दिखती है। वहीं, दलित-पिछड़े तबकों के बीच से भी एक दकियानूसी प्रवृत्ति तेजी से उभर रही है। इतना तय है कि जाति केंद्रित समाज में हम आधुनिकता के फूल नहीं उगा सकते। वर्ण और जाति की सबसे बड़ी समस्या है कि यह सामाजिक गत्यात्मकता को बाधित करती है। पेशों की शुचिता, जो जाति प्रथा का आधार थी, बहुत हद तक खत्म हो चुकी है। छूत-अछूत के भेदभाव भी न के बराबर हैं। लेकिन जातीय अस्मिताओं का एक नया दौर शुरू हुआ है, जिसमें ऊंचे और निचले दोनों जाति समूहों के कुछ घाघ-होशियार लोग अपनी-अपनी दलीलें पेश कर रहे हैं। वैज्ञानिक और सम्यक सोच, दोनों के पास नहीं हैं। दोनों अपनी-अपनी सोच में वर्चस्ववादी इरादे छुपाए बैठे हैं। ऐसे में जातिमुक्त आधुनिक समाज के पक्षधर सामाजिक दार्शनिकों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। उन्हें मुश्किल समय को संभालना है। तीसरे पक्ष का सम्यक विमर्श ही नये भारत को आगे ले जा सकेगा। समुदायगत स्वार्थो से अंधे बने लोगों को तंग नजरिये से मुक्त होने में समय लगेगा। हमें इस जुनूनी माहौल में भी सम्यक दृष्टिकोण और सुनहले ख्वाबों को सुरक्षित रखना होगा। नई पीढ़ी के उन नौजवानों को समझना होगा जिन्होंने जाति का ककहरा पढ़ा ही नहीं है। हमें उनके नजरिए का भी ख्याल करना चाहिए ताकि वे यह न कह सकें कि हमारे पुरखे निरे दकियानूसी थे। इस परिप्रेक्ष्य में जब आम चुनाव के होने में कुछ महीने ही रह गए हैं, गृह मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा 2021 की जनगणना को जाति केंद्रित करने की घोषणा चुनावों में जाति का इस्तेमाल करना ही कहा जाएगा। आज इस घोषणा का क्या औचित्य है? यदि 2019 में सरकार बदल जाए और नई सरकार इसे न माने तब इस घोषणा का क्या होगा। इससे पिछड़े वगरे को कुछ मिलना भी नहीं है। यह किसी योजना का कार्यान्वयन नहीं है। बस, नये आंकड़े जुटाने का खेल है। ऐसे में यह घोषणा ओबीसी के साथ मजाक के सिवा और क्या है?

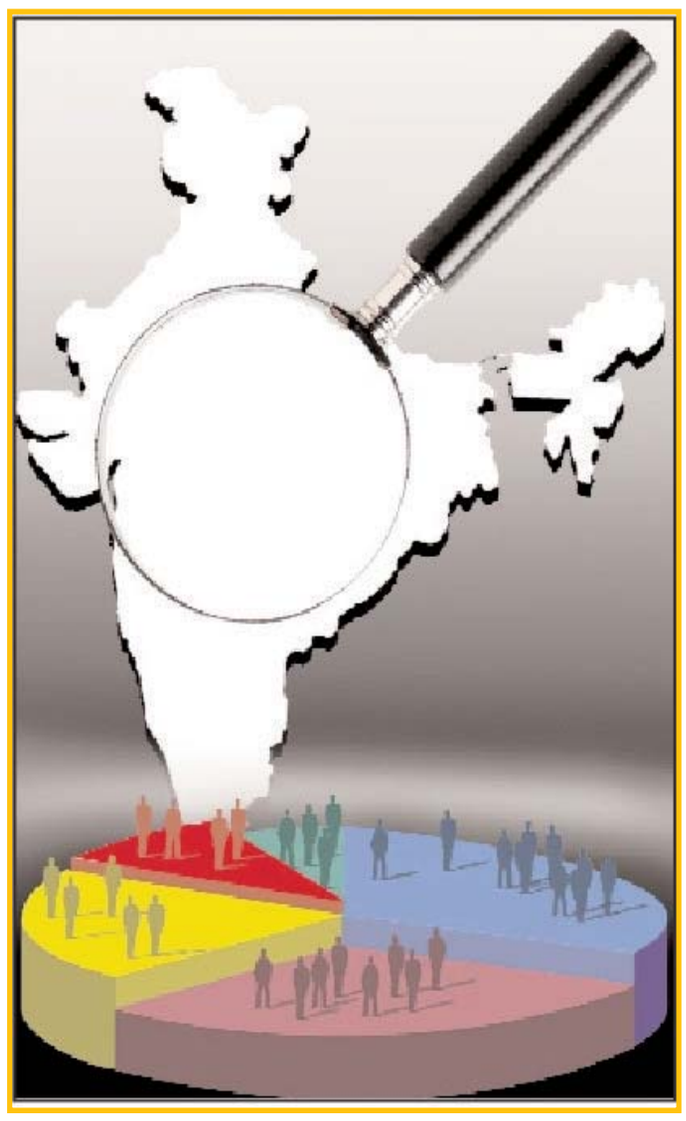

आज का राशीफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

वृश्चिक आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

वैश्विक कारोबारी जंग में सब होंगे तंग

अरविंद मायाराम

बढ़ती कारोबारी जंग के बीच 20 वर्ष में पहली बार, दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन ने वर्ष की पहली छमाही में 2,830 करोड़ डॉलर का चालू खाते का घाटा दर्ज किया है। गत 31 जुलाई को अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने चीनी वस्तुओं पर 20,000 करोड़ डॉलर मूल्य का अतिरिक्त शुल्क लगाया था। अब उसने 2,200 करोड़ डॉलर के नए शुल्क की घोषणा की है। बदले में चीन ने भी 6,000 करोड़ डॉलर मूल्य के शुल्क की घोषणा कर दी। अमेरिका और चीन ऐसी कारोबारी जंग में शामिल हैं जो उनके लिए तो आत्महंता साबित होगी ही, अन्य देशों के लिए भी कम नुकसानदेह नहीं साबित होगी। अमेरिका ने जनवरी में आयातित सोलर पैनल और वॉशिंग मशीन पर आयात शुल्क लगाने की घोषणा की थी। मार्च में स्टील और एल्युमीनियम पर यही शुल्क लगाया गया। कनाडा और मैक्सिको जैसे सहयोगी राष्ट्रों तथा यूरोपीय संघ की मदद से किए जाने वाले अमेरिकी निर्यात पर प्रतिरोध स्वरूप शुल्क लगाकर इसका विरोध किया गया। स्टील और एल्युमीनियम पर अमेरिकी शुल्क वृद्धि का विरोध भारत ने भी किया। उसने अमेरिका से आने वाले बादाम, सेब और अन्य धातु उत्पादों पर आयात शुल्क बढ़ाकर इसका विरोध किया। भारत ने अमेरिका द्वारा स्टील और एल्युमीनियम आयात शुल्क के विरोध में करीब 24.1 करोड़ डॉलर मूल्य की शुल्क वृद्धि की। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुमान के मुताबिक अमेरिका और शेष विश्व के बीच बढ़ता कारोबारी तनाव 2020 तक वैश्विक कारोबारी वृद्धि दर में 0.5 फीसदी की गिरावट ला सकता है। यानी दुनिया भर के जीडीपी में 43,000 करोड़ डॉलर का नुकसान। आईएमएफ का कहना है कि व्यापारिक युद्ध सभी अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान पहुंचाएगा। अमेरिका वैश्विक प्रतिरोध का केंद्र होगा क्योंकि वैश्विक बाजार के निर्यात में उसकी हिस्सेदारी अधिक है। आईएमएफ ने कहा कि अगर संरक्षणवादी उपायों में इजाफा होता है तो निवेशकों पर इसका असर होगा। इतना ही नहीं इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होगी, उत्पादकता बढ़ाने वाली प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कम होगा और उपभोक्ता वस्तुओं का मूल्य बढ़ेगा। एक दृष्टिकोण यह भी है कि अगर व्यापारिक युद्ध में बढ़ोतरी होती है तो अमेरिका और चीन के बीच घटते व्यापार का फायदा भारत और ब्राजील जैसे देशों को मिल सकता है। सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुमान के मुताबिक चूंकि चीन के सोयाबीन आयात का बड़ा हिस्सा सोयाबीन तेल और खाद्य पदार्थ में जाता है जिनका निर्यात किया जाता है। अगर अमेरिकी सोयाबीन पर लगने वाला शुल्क चीन के आयात को प्रभावित करता है तो उसके निर्यात पर भी असर होगा। भारत अन्य देशों की मांग पूरी कर सकता है। यह नजरिया सही नहीं है। लंबी अवधि में यह उच्च मुद्रास्फीति वाला और वैश्विक वृद्धि को कमजोर करने वाला साबित होगा। व्यापारिक युद्ध का मुद्रास्फीतिक प्रभाव अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाएगा। इसका चरणबद्ध प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। उच्च शुल्क दरों के कारण उपभोक्ता मूल्य में इजाफा हुआ ही है, साथ ही अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने गत सितंबर में कहा था कि वह 4 लाख करोड़ डॉलर के ट्रेजरी बॉन्ड और मॉर्गेज समर्थित परिसंपत्तियों की बिक्री करेगा। वर्ष 2008 के वित्तीय संकट के बाद से ही ये परिसंपत्तियां एकत्रित हो रही थीं। अमेरिकी घटनाक्रम से जुड़े ये जोखिम भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी असर डाल सकते हैं। यह ऐसे वक्त में होगा जब भारतीय बैंकिंग तंत्र फंसे हुए कर्ज से निपटने के लिए जूझ रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था, खासतौर पर वित्तीय बाजारों को अस्थिरता के लिए तैयार रहना चाहिए। वैश्विक और घरेलू चुनौतियों का मिलाजुला प्रभाव उन्हें प्रभावित कर सकता है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों के जरिये मुद्रास्फीति को सीमित रखेगा। अमेरिकी बाजारों में प्रतिफल वर्ष 2016 के मध्य से ही बढ़ रहा है। ऐसे में उपर्युक्त कदम उठाए जाने के बाद प्रतिफल और अधिक तेजी से बढ़ सकता है। इसका असर भारतीय सरकारी प्रतिभूतियों में नजर आ रहा है जिनमें पिछले सात महीनों से गिरावट आ रही है। इस गिरावट का सीधा संबंध अमेरिकी प्रतिफल में इजाफे और स्थानीय मुद्रास्फीति में इजाफे से है। जब प्रतिफल बढ़ता है तो बॉन्ड कीमतों में गिरावट आती है। अमेरिका में बढ़ती ब्याज दरें देश के शेयर बाजार में अस्थिरता ला सकती हैं। व्यापार युद्ध सबको नुकसान पहुंचाएगा लेकिन इसकी शुरुआत करने वाला अमेरिका इससे सबसे अधिक प्रभावित होगा। वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले ही अमेरिका से दूर हो रही है। बीते दशक में यूरोपीय संघ से एशिया को होने वाले निर्यात में अमेरिका को होने वाले निर्यात की तुलना में करीब दोगुनी वृद्धि हुई है। सन 2017 में यूरोपीय संघ से एशिया को होने वाला निर्यात अमेरिका को होने वाले निर्यात से अधिक था जबकि एशिया से यूरोपीय संघ को होने वाला निर्यात अभी भी अमेरिका की तुलना में कम था लेकिन इसमें तेजी से वृद्धि हो रही थी। जाहिर है एशिया के लिए यूरोपीय संघ की महत्ता बढ़ रही है। बाजार के आकार के मुताबिक भी एशिया यूरोपीय संघ के लिए अमेरिका से अधिक अहमियत रखता है। जल्दी ही यूरोपीय संघ भी एशिया के लिए अमेरिका से अधिक अहम हो जाएगा। एशिया के आयात का आकार बताता है कि वह एक बढ़ता हुआ जीवंत बाजार है। यहां लोगों की क्रय शक्ति बढ़ रही है। निजी उपभोक्ता व्यय के मुताबिक देखें तो आज एशिया उतना ही बड़ा है जितना कि अमेरिका, लेकिन एशिया की गति बहुत तेज है। बीते दशक में चीन की निजी खपत व्यय की औसत दर 13.8 फीसदी रही जो अमेरिका से चार गुना तेज है। आश्चर्य नहीं कि चीन अब ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, रूस, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया और इंडोनेशिया आदि देशों के लिए सबसे बड़ा बाजार है। अगर अमेरिका और चीन में आयात की मौजूदा वृद्धि दर कायम रही तो 2021 तक चीन अमेरिका को पीछे छोड़ दुनिया का सबसे बड़ा आयातक बन जाएगा। अमेरिका ने जो व्यापारिक युद्ध छेड़ा है वह यूरोपीय संघ और एशिया को अवसर दे रहा है कि वे एक दूसरे के लिए अपना बाजार खोलें और करीबी आर्थिक रिश्ते कायम करें। अमेरिका से बाहर हर जगह क्षेत्रीय मुक्त व्यापार समझौतों की जरूरत महसूस की जा रही है। देखना होगा कि भारत अपनी नीतियों को कितनी तेजी से सुसंगत बनाता है क्योंकि उभरती विश्व व्यवस्था में उसकी स्थिति इसी से तय होगी।(लेखक पूर्व वित्त सचिव हैं और फिलहाल सीयूटीएस इंस्टीट्यूट फॉर रेग्युलेशन ऐंड कंपटीशन के चेयरमैन हैं। लेख में प्रस्तुत विचार निजी हैं।)

विचार मंथन

सबसे अच्छी रैंकिंग और सबसे खराब हार

शिवेंद्र कुमार सिंह, वरिष्ठ खेल पत्रकार

कहां तो इस टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया की जीत का आकलन था, और कहां एक टेस्ट मैच रहते ही भारत बाजी हार गया। इंग्लैंड ने चौथे टेस्ट मैच में भारत को 60 रनों से हराकर टेस्ट सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। अब सीरीज के पांचवें टेस्ट मैच का असर सीरीज पर तो नहीं, लेकिन भारत की साख पर जरूर होगा। इंग्लैंड ने अगर आखिरी टेस्ट मैच भी जीत लिया, तो सीरीज एकतरफा मानी जाएगी और अगर भारत जीत हासिल करता है, तो उसके लिए वह जीत सांत्वना का काम करेगी। फिलहाल बात चौथे टेस्ट मैच की, जिसमें जीत हासिल करके भारत के पास 2-2 से बराबरी का सुनहरा मौका था। जीत के लिए 245 रनों की जरूरत थी। लेकिन भारतीय टीम 184 रनों पर सिमट गई। जिस टीम इंडिया के बल्लेबाजों को स्पिन गेंदबाजी के सामने बहुत परिपक्व माना जाता है, उसकी दुर्गति एक बार फिर स्पिन गेंदबाज ने ही की। मोईन अली ने टेस्ट मैच में नौ विकेट लेकर बाजी पलट दी। यहां बड़ा सवाल यह है कि यह हार ज्यादा चुभने वाली क्यों है? जवाब बहुत सीधा है। साल 2018 में विराट कोहली की टीम की यह तीसरी हार है, जब उसके सामने ढाई सौ से भी कम रनों का लक्ष्य था और वह लड़खड़ा गई। यह बताने की जरूरत नहीं है कि अगर टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने यह लक्ष्य हासिल कर लिया होता, तो सीरीज का रुख कितना अलग होता। चौथी पारी में छोटे लक्ष्य को हासिल न कर पाने की शुरुआत इस साल केपटाउन टेस्ट मैच से हुई थी। यह वही दौरा है, जिसके बाद से विश्व क्रिकेट में भारतीय गेंदबाजों की साख में जबरदस्त इजाफा हुआ है। भारतीय तेज गेंदबाजों की घातक गेंदबाजी के चलते दक्षिण अफ्रीका ने भारत के सामने महज 208 रनों का लक्ष्य रखा था। इस छोटे लक्ष्य को पाने में भारतीय बल्लेबाज चूक गए। नामी-गिरामी बल्लेबाजों से सजी टीम इंडिया चौथी पारी में 135 रनों पर सिमट गई और दक्षिण अफ्रीका ने 72 रनों से टेस्ट मैच जीत लिया। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ इसी दौरे में पहले टेस्ट मैच में भारतीय गेंदबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया। एक बार फिर भारतीय टीम के पास सीरीज में जीत से शुरुआत करने का मौका था। बर्मिंघम टेस्ट मैच में इंग्लैंड की टीम ने काफी मशक्कत करने के बाद चौथी पारी में भारत के सामने सिर्फ 194 रनों का लक्ष्य रखा। जीत काफी करीब दिख रही थी, लेकिन चौथी पारी में बल्लेबाजी का दबाव टीम इंडिया एक बार फिर उठाने में नाकाम रही। इस बार उसके दिग्गज बल्लेबाज मिलकर 162 रन ही जोड़ पाए। नतीजा इंग्लैंड को 31 रनों से जीत मिली। ढाई सौ रनों के भीतर के लक्ष्य को हासिल करने में टीम इंडिया की यह दूसरी नाकामी थी।

जिस नाकामी को इसी साल तीसरी बार रविवार को टीम इंडिया ने दोहराया, जब वह 245 रनों का लक्ष्य हासिल करने से चूक गई। यह सच है कि चौथी पारी में बल्लेबाजी करने का दबाव अलग होता है। छोटे और मामूली लक्ष्य मुश्किल हो जाते हैं। लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि टीम इंडिया दुनिया की नंबर एक टेस्ट टीम है। दुनिया के टॉप 10 टेस्ट बल्लेबाजों में भारत के दो बल्लेबाज हैं। टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली इस लिस्ट में टॉप पर हैं, जबकि चेतेश्वर पुजारा भी इसमें शामिल हैं।

इस सीरीज में विराट कोहली के प्रदर्शन को कुछ देर के लिए अलग कर देते हैं, क्योंकि इसमें अभी तक उन्होंने अपनी साख के मुताबिक प्रदर्शन किया है। अब तक खेले गए चार टेस्ट मैच में वह 544 रन बना चुके हैं। असली परेशानी उस खौफ की है, जो टीम इंडिया के बाकी बल्लेबाजों के सिर पर चढ़ चुका है। असली परेशानी उस 'मेंटल टफनेस' की है, जो टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने नहीं दिखाई। इसी की वजह से दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने का ऐतिहासिक मौका भारत के हाथ से चला गया। अब यह इतिहास में दर्ज हो जाएगा कि दुनिया की नंबर एक टेस्ट टीम ने साल में तीन टेस्ट मैच ऐसे गंवा दिए, जो उसे जीतने चाहिए थे। यह महज एक मैच की हार नहीं है, बल्कि यह सीरीज की हार में भी तब्दील हुई है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सोच-समझ कर बदलें करियर

कुछ लोगों को मौजूदा करियर की टाइमिंग पसंद नहीं आती तो कुछ को उस क्षेत्र की जिम्मेदारियां उबाऊ लगती हैं। वहीं कुछ को लगता है कि अपनी योग्यता व क्षमता के हिसाब से योजना न बनाने के चलते वे गलत करियर में आ गए हैं। यानी युवा कई कारणों से करियर में बदलाव चाहते हैं। लेकिन नए क्षेत्र में कदम बढ़ाना पूरी तरह से नई सोच के साथ काम करने जैसा होता है। करियर बदलने के रास्ते और उनसे जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में बता रही हैं वंदना भारती

कई साल एक ही क्षेत्र में नौकरी करने के बावजूद किसी न किसी मोड़ पर ज्यादातर लोगों को यह महसूस होने लगता है कि करियर का उनका चुनाव गलत था। इस बात का एहसास होते ही उस क्षेत्र से निकलने की उनकी बेचैनी बढ़ जाती है। वरिष्ठ करियर काउंसलर डॉ. संजीब कुमार आचार्य ने बताया कि लोगों को ऐसा तब ज्यादा महसूस होता है, जब वह किसी काम में असफल होने लगते हैं। जब तक किसी क्षेत्र या करियर में उन्हें सफलता हासिल हो रही होती है, उन्हें अपने गलत करियर में आने का एहसास नहीं होता। ऐसे लोगों को करियर बदलने से पहले तीन बातों का ध्यान रखना चाहिए। पहला – अपनी रुचि, दूसरा – अपना व्यक्तित्व और तीसरा – अपनी योग्यता। योग्यता, जानकारी और कौशल के अभाव में सिर्फ रुचि और व्यक्तित्व के आधार पर करियर का चुनाव नहीं किया जा सकता। वह फैसला हमेशा गलत होगा। यदि आप वर्तमान करियर को बदल कर अपनी रुचि वाले क्षेत्र में भाग्य आजमाना चाहते हैं तो भी उस क्षेत्र का ज्ञान, कौशल और समझ जरूरी है। हुनर और जानकारी के अभाव में आप कहीं भी सफल नहीं हो सकते और असफलता आपको हर पल अपने गलत फैसले का एहसास कराती रहेगी। इसलिए करियर बदलने से पहले उससे जुड़ी इन बातों को समझ लें

वर्तमान कंपनी में ही परख लें अपनी क्षमता

करियर में परिवर्तन करने से पहले यह जरूरी है कि कहीं और काम तलाशने से पहले वर्तमान संस्थान में ही कोई मिलता-जुलता मौका तलाशें। कई ऑफिस में काम के रोटेशन को बढ़ावा दिया जाता है यानी कुछ दिनों तक एक विभाग में रहने के बाद यदि कर्मचारी चाहे तो उसकी रुचि के हिसाब से दूसरा विभाग सौंप दिया जाता है। इससे आपको किसी दूसरे संस्थान में जाए बगैर ही अपनी क्षमताओं को परखने का मौका मिल जाएगा।

पहले कर लें तैयारी

किसी भी नये काम में उतरने से पहले अपनी शैक्षणिक योग्यता, अपने हुनर और रुचियों आदि का हिसाब लगाएं। अपनी क्षमताओं का मूल्यांकन करें। जिस क्षेत्र में जाना चाहते हैं, उस क्षेत्र की कंपनियों के बारे में भी जानकारी एकत्रित करें। उनकी वेबसाइट देखें। नई खबरों से अपडेट रहें। वर्कशॉप और सेमिनार में भाग लें। उस क्षेत्र में पहले से काम कर रहे लोगों से वास्तविक स्थिति को जानें और उसके हिसाब से खुद को ढालें। किसी नए क्षेत्र में कदम रखने से पहले उसकी तैयारी जरूरी है।

भटकाव से घबराएं नहीं

आप क्या करना चाहते हैं, क्या नहीं? यह पशोपेश सिर्फ आपके साथ नहीं, अधिकांश लोगों के साथ होता है। ज्यादातर लोग जीवन की पहली नौकरी बिना लक्ष्यों को जानते हुए करते हैं। उनमें से कुछ उसी काम को जीवनभर करते रहते हैं और कुछ स्विच कर जाते हैं। पहले करियर बदलने वाले लोगों की संख्या सीमित होती थी, पर आज के दौर में दो-तीन साल की नौकरी करने के बाद ही युवा करियर बदलने को बेचैन होने लगते हैं।

नौकरी बदल कर देखें

कई बार लोग काम से बोरियत होने या बॉस व सहकर्मियों के स्वभाव के कारण भी करियर बदलने का फैसला कर लेते हैं। यदि ऐसा है तो आप कुछ दिनों का ब्रेक ले सकते हैं या नौकरी बदल सकते हैं। नौकरी में बदलाव से ही आपकी जरूरत पूरी हो रही है तो करियर में बदलाव के बड़े फैसले पर न टिके रहें, क्योंकि ऐसा दूसरी जगह नहीं होगा, इस बात की गारंटी नहीं है। ऐसे में नया करियर अपनाने की जगह अपने ही क्षेत्र की दूसरी कंपनी में नौकरी तलाशना अधिक बेहतर होगा।

जान लें सभी पहलुओं को

कई बार हम जल्दबाजी में फैसला कर बैठते हैं। योजना बनाते हुए हमें सब कुछ अच्छा ही दिखता है। लेकिन हर सिक्के के दो पहलू होते हैं यानी हर क्षेत्र में खूबियों के साथ कुछ खामियां भी होती हैं। किसी सेक्टर में पांव रखने से पहले उसके सभी पहलुओं को जान लें।

तरक्की भी है जरूरी

उद्देश्य और लक्ष्य के बगैर कोई भी जोखिम उठाना शुरू से ही मुसीबत का सबब होता है, इसलिए यदि करियर स्विच करने का विचार बना रहे हैं तो पहले दीर्घकालिक रणनीति जरूर बनाएं। यह देख और समझ लें कि उस क्षेत्र में तरक्की की कितनी संभावना है। उस क्षेत्र के किसी करीबी दोस्त से राय लें और तभी फैसला करें।

अवसर पर नजर

करियर स्विच करने के लिए मौका मिलना भी एक अहम बात है। इसलिए अवसरों को पहचानें और अखबारों व पत्रिकाओं पर नजर रखें, जहां नई नौकरियों की जानकारी दी जाती है।

रेज्यूमे में बदलाव

रेज्यूमे हमारा प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए उसका प्रभावी होना बेहद जरूरी है। लेकिन रेज्यूमे में किया गया बदलाव संबंधित क्षेत्र के शोध पर आधारित होना चाहिए। वहां के ऑफर व पैकेज की जानकारी लें। इसके बाद अपने रेज्यूमे में अपने कौशल और अनुभव से जुड़े तथ्य जोड़ें। ध्यान रखें कि अपने रेज्यूमे में कभी गलत जानकारी ना दें। आजकल अमूमन हर कंपनी बैक ग्राउंड चैकिंग करवाती है और अगर आपके द्वारा दी गई जानकारी गलत निकली, तो आप मुश्किल में पड़ सकते हैं।

कहीं आप गलत करियर में तो नहीं !

सोचिये अगर सचिन तेंदुलकर गाना गा रहे होते और लता मंगेशकर क्रिकेट खेलतीं तो क्या होता! जाहिर है अपने क्षेत्र में गगनचुंबी कामयाबी देखने वाली और सर्वश्रेष्ठ मानी जाने वाली ये दोनों हस्तियां आज इस मुकाम पर न होतीं। यानी हमारे जीवन में सही करियर का चुनाव बेहद मायने रखता है। लेकिन यह कैसे मालूम होगा कि आप सही करियर में हैं या नहीं। नीचे बताए गए लक्षणों के जरिये आप समझ पाएंगे कि आपने अपने लिए विकास का गलत रास्ता चुना है या सही-

नौकरी की खामियां निकालना

काम कोई भी हो, उसे करने के दौरान या उसके बाद खुशी महसूस न होना, हमेशा उसमें कमियां नजर आना और दोस्तों के बीच उस काम की बुराइयां गिनाते रहना नौकरी के प्रति आपकी उदासीनता को दर्शाता है। इन सभी लक्षणों से यह स्पष्ट होता है कि आपकी नौकरी आपको खुशी नहीं दे रही।

नहीं होते गौरवान्वित

जब कोई आपके काम के बारे में पूछता है, आप मुद्दा बदल देते हैं या कहते हैं कि कुछ खास नहीं है बताने को। गलत करियर में फंसने का यह दूसरा लक्षण है।

खराब प्रदर्शन

जब किसी काम में आप अच्छे और कुशाग्र होते हैं तो उसे करना अच्छा लगता है, लेकिन लगातार गिरता प्रदर्शन इस बात का संकेत देता है कि आप उस काम में ठीक नहीं हैं। यदि आपके साथ ऐसा है तो दूसरे क्षेत्र के बारे में सोचने का यह सही समय है।

हर दिन चुनौतीपूर्ण

जिस तरह हर गेंद पर छक्का नहीं मारा जा सकता, उसी तरह ऑफिस का हर दिन एक समान नहीं होता। किसी दिन आप बेहतर प्रदर्शन करते हैं और कोई दिन चुनौती भरा होता है। लेकिन यदि आपका हर दिन चुनौतीपूर्ण होता है और दिन काटना मुश्किल हो जाता है तो निश्चित तौर पर आप गलत जगह काम कर रहे हैं।

सिर्फ पैसे के लिए नौकरी

हम में से कुछ लोग अपने सपनों की बजाय ज्यादा वेतन वाली नौकरी को प्राथमिकता देते हैं। यदि आप सिर्फ पैसों के लिए कोई नौकरी कर रहे हैं तो संभवत- आप एक गलत करियर में हैं।

योग्यता के विपरीत

हम सब में कुछ खास हुनर होता है और उसके हिसाब से हमारी रुचि भी विकसित हो जाती है। जब करियर इससे मेल खाता हो तो उस पर गर्व महसूस होता है और उससे सच्ची खुशी मिलती है। दूसरों की देखादेखी में नौकरी से जुड़े अहम निर्णय ना लें। इसलिए अपने वर्तमान काम की अपनी योग्यता और पसंद से तुलना कर देखें। यदि ये मेल नहीं खाते तो आप गलत करियर में हैं।

एक्सपोर्ट मैनेजमेंट में भविष्य

एक्सपोर्ट मैनेजमेंट अर्थात निर्यात प्रबंधन के उत्पादन से लेकर उसे विदेश भेजने तक के कायरे का समन्वय। इसमें उत्पादन इकाई के समस्त कर्मियों की सक्रिय भागीदारी रहती है। किसी भी निर्यात या विदेश व्यापार करने वाली इकाई में डाक्यूमेंटेशन, परचेज, प्रोडक्शन तथा कोआर्डिनेटर इकाइयां परस्पर समन्वय से ही एक्सपोर्ट कार्य करती हैं

एक्सपोर्ट मैनेजर (निर्यात प्रबंधक) विदेशी कंपनी के साथ संपर्क बनाकर कॉन्ट्रैक्ट हासिल करते हैं, तो डाक्यूमेंटेशन ऑफिसर के माध्यम से समस्त कानूनी प्रोडक्शन विभाग अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार उत्पादन करता है। जनसंपर्क अधिकारी विदेशी कंपनियों के साथ संपर्क स्थापित करता है। लेकिन इन सभी कायरें में व्यावहारिक कुशलता, बेहतर कम्युनिकेशन कौशल तथा ग्राहक की आवश्यकताओं को पहचान कर अपेक्षित माल का निर्यात ही एक्सपोर्ट मैनेजमेंट की सफलता का मूलमंत्र है।

एक्सपोर्ट मैनेजमेंट व डाक्यूमेंटेशन से संबंधित पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को निर्यात से संबंधित कानूनी प्रक्रियाओं से अवगत कराना है। निर्यात प्रक्रिया, ट्रेड-प्रैक्टिस तथा सही डाक्यूमेंटेशन की समझ से ही छात्रों को रोजगार प्राप्त करने में सफलता हासिल होती है।

एक्सपोर्ट मैनेजमेंटेशन के अंतर्गत छात्रों को अनेक विषयों की गहन शिक्षा दी जाती है- वैधानिक व वित्तीय डॉक्यूमेंटेशन, ईपीजेड डॉक्यूमेंटेशन, परिवहन डॉक्यूमेंटेशन, अन्तरराष्ट्रीय व्यापार विधियां, आयात-निर्यात निति, आयात निर्यात डाक्यूमेंटेशन, डॉक्यूमेंटेशन सत्यापन व पूछताछ, डॉक्यूमेंटेशन की वैज्ञानिक विधि से रिकार्ड कीपिंग, मार्केटिंग आदि। इन सभी विषयों का गहन अध्ययन छात्रों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मार्केट में स्थापित करने योग्य बनाता है, ताकि वे बढ़ती प्रतिस्पर्धा में अपना स्थान बना सकें।

भारत के कई संस्थानों में एक्सपोर्ट मैनेजमेंट की शिक्षा दी जाती है, जहां संबंधित व्यवसाय की सारी बारीकियों से अवगत कराया जाता है। इस पाठ्यक्रम में मूलत- एक्सपोर्ट मार्केटिंग, एक्सपोर्ट प्राइसिंग एंड फाइनेंस, इंपोर्ट मैनेजमेंट

डॉक्यूमेंटेशन, इंटरनेशनल बिजनेस आदि विषय पढ़ाये जाते हैं। पहले केवल आधारभूत शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र ही इस क्षेत्र में रोजगार तलाशते थे। किन्तु अब प्रतिस्पर्धा तथा आधुनिकीकरण के चलते एमबीए शिक्षा प्राप्त लोग भी इस ओर आकर्षित हो रहे हैं क्योंकि आधुनिक बाजार व प्रतिस्पर्धा की बारीकियां इन्हीं पाठ्यक्रमों से सीखकर कोई भी अपना आधार तैयार कर सकता है। करियर की अच्छी संभावनाओं के चलते इस कोर्स के प्रति युवाओं का आकर्षण बढ़ने लगा है।

कई संस्थानों द्वारा एक्सपोर्ट मैनेजमेंट की शिक्षा विभिन्न स्तरों पर दी जाती है, लेकिन सभी के प्रवेश के मानक अलग-अलग निश्चित किए गए हैं। इस क्षेत्र में एक्सपोर्ट क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (ईसीजीसी), फॉरेन ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड का नाम विशेष उल्लेखनीय है।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड एक सरकारी संस्थान है, जो ''एक्जीक्यूटिव मास्टर्स इन इंटरनेशनल ट्रेड' तथा ''मास्टर्स प्रोग्राम इन इंटरनेशनल बिजनेस' नामक दो पाठ्यक्रमों की शिक्षा देता है। इन पाठ्यक्रमों में पचास प्रतिशत अंकों से स्नातक उत्तीर्ण छात्रों को अखिल भारतीय स्तर की प्रवेश-परीक्षा के उपरांत प्रवेश दिया जाता है, जबकि एक्जीक्यूटिव मास्टर्स इन इंटरनेशनल ट्रेड के एक वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए पांच वर्ष का कार्यानुभव होना भी आवश्यक है। फॉरेन ट्रेड डेवलवमेंट सेंटर के डिप्लोमा पाठ्यक्रम में इंटरमीडिएट छात्र भी दाखिला ले सकते हैं। यह संस्थान ई- एक्सपोर्ट मैनेजमेंट में चार महीने का डिप्लोमा कोर्स भी कराता है, ताकि छात्र ई-बिजनेस की बारीकियों से अवगत हो सकें। इस क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग एक उचित कदम सिद्ध हो रहा है।

एक्सपोर्ट मैनेजमेंट में शिक्षण-प्रशिक्षण प्रदान करने वाले प्रमुख संस्थान निम्नलिखित हैं

-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड, नई दिल्ली
-फॉरेन ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर, नई दिल्ली
-एक्सपोर्ट क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (ईसीजीसी) नई दिल्ली।
-एक्सपोर्ट क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, मुंबई
-एक्सपोर्ट क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, बेंगलुरु

सही दिशा व काम करने की स्पीड सफल करियर के लिए जरूरी

स्पीड की दुनिया में जापान ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उसने अपनी ट्रेन की गति को 603 किलोमीटर प्रति घंटा दौड़ाने का रिकार्ड बनाया है। जापान की यह नई स्पीड दुनिया के लिए चैलेंज है। जीवन में भी सफलता के लिए स्पीड का अपना महत्व है। स्पीड बढ़ाने के लिए जीवन में नए लक्ष्य निर्धारित करना जरूरी है। जब हम नए लक्ष्य निर्धारित करते हैं तो हमारी काम करने की स्पीड बढ़ती है। भूख व जनून पैदा होता है। लगातार काम करते-करते हमारी काम करने की स्पीड कम हो जाती है। जिस गति से हम काम करते हैं, उसकी ही हमें आदत हो जाती है। गति बढ़ाने के लिए हमें खुद की प्राथमिकताएं तय करते हुए अनावश्यक चीजों को, इच्छाओं को हटाना जरूरी है

कौशल को प्रभावित करता है कचरा: कंप्यूटर जब पुरानी फाइलों से भर जाता है तो

उसकी स्पीड कम होने लगती है, उसका कौशल प्रभावित होने लगता है, वह हैंग होने लगता है। जैसे ही उसके कचरे को हम रिसाइकिल बिन में डालते हैं वह दौड़ने लगता है।

हाइवे पर वाहनों की संख्या अगर ज्यादा है तो उस पर चलने वाहनों की स्पीड निश्चित रूप से कम हो जाती है। स्पीड बढ़ाने के लिए कुछ ट्रेफिक को दूसरे रूट पर डाइवर्ट किया जाता है ताकि स्पीड बढ़े। काम का ट्रेफिक अगर ज्यादा भी है तो भी अपनी स्पीड को बनाए रखने की हर संभव कोशिश करें। स्पीड हमारी सफलता व असफलता दोनों को तय करती है। स्पीड बढ़ाने के लिए कचरे को हटाइए।

हैंग होने से बचें: जीवन में आगे बढ़ते हुए हम बहुत बार हैंग भी होते हैं। यह तब होता है जब हम ओवर लोडिड होते हैं। जरूरत से ज्यादा हैवी फाइल सिस्टम को हैंग कर देती हैं, काम का अधिक बोझ अगर है तो भी आपके काम करने की स्पीड को यह बुरी तरह से प्रभावित करता है। ऐसे में आपके सिस्टम की हैंग होने की संभावना बनी रहेगी। स्पीड बढ़ाने के लिए खुद को ओवरलोड न होने दें। काम के बोझ को अपने व्यक्तित्व पर न हावी होने दें, वरना एक बार सिस्टम हैंग हो गया, तब स्पीड का कोई महत्व नहीं रहेगा।

स्पीड व दिशा दोनों का ध्यान रखें: जब हम हाइवे पर चल रहे होते हैं तब हमें स्पीड चाहिए, शहर में ट्रेफिक में फंसे होते हैं तब हमारे लिए दिशा चाहिए। स्पीड का तब तक कोई महत्व नहीं है जब तक हमें यह नहीं पता हो कि हमें किस दिशा में जाना है। कुछ लोग बिना किसी लक्ष्य के भागते रहते हैं, मेहनत करते हैं। उनकी मेहनत कभी रिजल्ट में इसलिए तब्दील नहीं होती, क्योंकि उन्होंने दौड़ने से पहले दिशा का सही तरीके से चयन नहीं किया। करियर में सफलता के लिए भी पहले यह पता होना जरूरी है, जब दिशा तय हो जाए, तभी गति का महत्व है। इसलिए जब दिशा सही हो तभी गति बढ़ाएं।

स्पीड व परफेक्शन के बीच संतुलन जरूरी: कुछ ऐसे व्यक्तित्व के लोग भी होते हैं जिनकी स्पीड कम होती है, लेकिन उनमें गजब का परफेक्शन होता है। परफेक्शन के कारण ही उनकी स्पीड कम होती है। स्पीड के साथ अगर काम करने की गुणवत्ता बनी रहे, तो किसी भी क्षेत्र में कदम रखिए, सफलता जरूर मिलेगी। जब स्पीड पर हमारा नियंतण्रनहीं होता, तो दुर्घटना भी भयानक होती है। मंजिल तक जाने के लिए दोनों के बीच में संतुलन बनाए रखना जरूरी है।

पहले ही बाहर हो जाएंगे: अगर करियर की दिशा सही नहीं है, करियर का चुनाव करने में गलती हुई है, ऐसी स्थिति में मैदान में उतरने से पहले ही उससे बाहर होने की संभावनाएं बढ़ जाती है। जीवन में करियर का निर्णय बहुत ही सोच विचार कर होना चाहिए, पहले ही परख लें कि आप जहां हैं वहां से कहां तक जा सकते हैं।

जल्दी से दौड़िए, वरना असफल हो जाएंगे: अंग्रेजी में एक कहावत है कि आइदर विन फास्ट ऑर लूज फॉस्ट। अपने कार्यक्षेत्र में हम तेजी से दौड़ते नहीं है तो असफल भी उतनी तेजी के साथ होते हैं। सफलता के लिए अपनी स्पीड को बनाए रखना जरूरी है। जब कदम आगे बढ़ा लिया है तो पीछे मत हटिए, तेजी के साथ दौड़िए, जिस गति से हम दौड़ते हैं, उसी गति से अपने लक्ष्य को भी हासिल करते हैं।

सूरत। इस्कॉन मॉल में डी.जे राकी बारकोड़ नाम से रिओपनिंग किया गया। इस संस्थान का नाम सूरत में ही नहीं दक्षिण गुजरात में सराहनीय रहा है। लोगों के जीवन में संगीत को लाने में इस संस्था ने अहम भूमिका निभाई है।

सूरत। शहर में पीआई ऐ. पी. परमार ने अनाथ गरीब लोगों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया।

सचिन विस्तार में फिर मिली हत्या की हुई लाश

सूरत। सचिन विस्तार में सूरत पलसाना रोड़ पर स्थित राधिका होटल के बाजू में स्थित एक पुरानी बंद पड़ी बिल्डींग में 25 से 30 साल के युवक की सड़ी हुई लाश मिली है। सचिन विस्तार में हत्या की हुई लाशों के मिलने का सील सीला खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। सचिन विस्तार में इस तरह की घटनाओं पर काबू पाने में पुलिस और प्रशासन नाकाम होता नजर आ रहा है।

शहर के पाटिदार क्षेत्र में हार्दिक के समर्थन में उपवास

सूरत। पाटीदार आरक्षण आंदोलन में पास के मुख्य कन्वीनर हार्दिक पटेल द्वारा आमरण उपवास के 11 वें दिन सूरत में पाटीदारों द्वारा प्रतिक उपवास के साथ रामधून का आयोजन किया गया। पाटीदार क्षेत्रों में जन्माष्टमी की छुट्टी के अवसर पर भारी संख्या में उपवास किया गया। साथ ही रामधून का आयोजन किया गया। हार्दिक पटेल द्वारा अहमदाबाद में उसके निवास स्थान पर आमरण उपवास किया जा रहा है। ऐसे में सूरत में पाटीदारों द्वारा वराछा मे स्थित विविध सोसायटीयों में प्रतिक उपवास के साथ-साथ रामधून का अयोजन किया गया। हर्दिक पटेल के समर्थन तथा अल्पेश कथोरिया को जोलमुक्त करने व किसानों का कर्ज माफ करने के लिए इन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। जिसमें आज नाना वराछा में स्थित गंगा जमूना सोसायटी में एक दिन का प्रतिक उपवास किये जाने के साथ रामधून का आयोजन किया गया। पाटीदार क्षेत्रों में जन्माष्टमी की छुट्टी के अवसर पर भारी संख्या में उपवास किया गया। साथ ही रामधून का आयोजन किया गया। हार्दिक पटेल द्वारा अहमदाबाद में उसके निवास स्थान पर आमरण उपवास किया जा रहा है।

पाटीदारों द्वारा वराछा क्षेत्र में प्रतिदिन अलग-अलग सोसायटीयों में कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान सातम-आठम की छुट्टी दौरान अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गए। वराछा क्षेत्र की सोसायटीओं में पाटीदारों ने प्रतिक उपवास के साथ-साथ खड़े रहकर रामधून सूनी

विविध क्षेत्रों में पुलिस ने जुआ खेलते हुए 200 से अधिक लोगों को पकड़ा

10 लाख से अधिक का माल जब्त

सूरत। जन्माष्टमी पर्व पर जुआ खेलने की परंपरा है। हालांकि जुआ खेलना या खिलाना कानूनी रुप से अवैध होने के बावजूद लोग इस पर्व पर प्रति वर्ष की परंपरा निभाते हुए बड़े पैमाने पर जुआ खेलते है। आश्चर्य की बात तो यह है कि इस दिन महिलाएं भी बड़े पैमाने पर जुए का आनंद लेती है। इस वर्ष भी लोग एक और जुआ खेल वर्षो पुरानी परंपरा निभा रहे थे वहीं दूसरी और पुलिस अपनी कार्यवाही में लगी हुई थी। पुलिस ने शहर के करीब 25 स्थलों पर चल रहे जुए के अड्डों पर छापा मार 200 से अधिक जुआरियों को गिरफ्तार किया। साथ ही उनके पास से 9.33 लाख रुपए का माल जब्त किया।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जन्माष्टमी पर्व के दौरान सातम-आठ के दिने क और जुआरी जुआ खेलने में व्यस्त थे तो दूसरी और पुलिस एक के बाद एक क्षेत्रों में छापा मार रही थी। पुलिस ने वराछा के कमल पार्क, भगीरथ नगर सोसायटी, रणुजाधाम सोसायटी, सहित 9 स्थलों पर छापा मारा। इसके अलावा पुलिस ने कपोद्रा, पूणागांव, सरथाणा, अमरोली, कापोद्रा सहित करीब 25 स्थलों व घरों, गलियों में खेले जा रहे जुए के अड्डों पर छापा मारा गया।

जुआ खेलने की परंपरा निभा रहे जुआरियों में पुलिस को देखते ही भागदौड़ मच गई। ऐसे में पुलिस ने इस कार्यवाही के दौरान करीब 200 से अधिक जुआरियों को गिरफ्तार किया। जिसमें महिलाओ का भी समावेश होता है। पुलिस ने घटना स्थल से मोबाईल फोन व नकद मिलाकर कुल 9.33 लाख रुपए से अधिक का माल जब्त किया।

जगजाहिर है कि सातम-आठम के दिन जुआ के समय पुलिस सक्रिय रहती है । इसके बावजूद लोग कोई परवाह किए बिना जुआ खेलते है और पुलिस के हाथों गिरफ्तार हेते है। ऐसे में इस परंपरा को निभा रही महिलाओं को भी जुआ खेलते हुए धरी गई। पुलिस ने छापे के दौरान अमरोली के साई रेसीडेन्सी में चल रहे जुए के अड्डे पर से 6 महिलाओं और सरथाणा में श्रद्ध रो-हाउस में से 6 महिलाओं को जुआ खेलते हुए गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की है।

छेड़छाड़ करने पर फटकार लगाई तो किशोरी से किया बलात्कार

कतारगाम क्षेत्र की घटना, अश्लिल फोटो खिंचकर परिवार को धमाकाया, अभियुक्त गिरफ्तार

सूरत. कतारगाम क्षेत्र में पुत्री की छेड़छाड़ करने पर पिता ने युवक को फटकार लगाई तो गुस्साए युवक ने मौका देख किशोरी से बलात्कार किया और अश्लिल फोटो खिंचकर परिवार को धमकाने लगा। पीड़ित परिवार की शिकायत पर पुलिस ने बलात्कार, धमकी देने और आइटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक अभियुक्त का नाम कतारगाम संतोषीकृपा सोसायटी निवासी केतन भूपत जिकाद्रा (22) है। आरोप है कि वह 17 साल की किशोरी जब स्कूल जाती तो उसका पिछा कर छेड़छाड़ करता था। किशोरी ने पिता को यह बात बताई तो उन्होंने युवक को फटकार लगाई।

इसी बात की रंजिश रखते हुए केतन ने करीब एक महीने पहले किशोरी जब घर में अकेली थी, तब वह घर में घुस गया और किशोरी से बलात्कार कर मोबाइल में उसकी अश्लिल फोटो खिंच ली। बाद में बलात्कार की बात किसी को कहने पर फोटो वायरल कर बदनाम करने की तथा परिवार के सदस्यों को मार डालने की धमकी देता रहा।

युवक की करतूत से डरी किशोरी ने पहले तो परिजनों को कुछ नहीं बताया, लेकिन युवक की धमकियां बढने लगी तो आखिर सोमवार को पीड़ित परिवार ने अभियुक्त के तन जिकाद्रा के खिलाफ कतारगाम थाने में प्राथमिकी दर्ज करवाई। पुलिस ने बलात्कार, जान से मारने की धमकी देने और आइटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अभियुक्त केतन जिकाद्रा को गिरफ्तार कर लिया है।

पांडेसरा इलाके में 3 राउंड फायरिंग

सूरत। पांडेसरा में स्थित वृंदावन सोसाइटी में फायरिंग की घटना सामने आई है। वृंदावन सोसायटी में हुई फायरिंग में एक व्यक्ति घायल भी हुआ है। इस घटना में 3 राउंड फायरिंग की गई है।

108 अखंड हनुमान चालीसा पाठ 9 सितंबर को

सूरत। श्रीराम भक्त मंडल अडाजण के 8वें वार्षिकोत्सव पर 9 सितंबर को सिटीलाइट स्थित माहेश्वरी भवन में 108 हनुमान चालीसा का संगीतमय पाठ का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। मंडल के प्रवक्ता सुनील माहेश्वरी ने बताया कि माहेश्वरी भवन में रामभक्त हनुमान के अलौकिक दरबार के समक्ष सुबह 8 बजे से 108 हनुमान चालीसा के अखंड जाप की शुरुआत होगी। राम भक्त मंडल के अलावा श्री माहेश्वरी सत्संग समिति, श्री दाधीच महिला सुंदरकांड मंडल, मॉडल टाउन मानस मंडल, श्रीश्री बालाजी सुंदरकांड मंडल और श्री सालासर मंडल के सदस्यों द्वारा हनुमान चालीसा पाठ की प्रस्तुति देंगे।

सूरत। जन्माष्टमी को परंपरागत तरीके से सूरत सहित राज्यभर में सोमवार को मनाया गया। इसके तहत कई क्षेत्रों में दही-हांडी का अयोजन किया गया।

महादेव के दर्शन कर लौट रहे भाइयों पर जानलेवा हमला

सूरत. ओलपाड़ सिद्धनाथ महादेव मंदिर से दर्शन कर परिवार के साथ लौट रहे दो भाइयों पर जहांगीरपुरा-डभोली ब्रिज पर चार जनों ने जानलेवा हमला कर दिया और फरार हो गए। बताया जा रहा है कि मोटर साइकिल ठीक से चलाने का कहने पर युवकों ने हमला किया। जहांगीरपुरा पुलिस ने हत्या की कोशिश का मामला दर्ज कर हमलावरों की खोज शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक डभोलीगांव भवानीनगर निवासी अमोल मोरे सोमवार को परिवार को लेकर ओलपाड सिद्धनाथ महादेव के दर्शन के लिए गया था। यहां से वह परिवार के साथ टैम्पो में लौट रहा था, तभी डभोली ब्रिज पर टैम्पो के आगे मोटर साइकिल सवार दो युवक की हरकत देख अमोल ने उन्हें मोटर साइकिल ठीक से चलाने के लिए कहा तो दोनों युवकों ने मोटर साइकिल रोक दी और मारपीट शुरू कर दी। इस बीच उनके दो मित्र भी मौके पर पहुंचे और चारों ने मारपीट करने के साथ अमोल पर चाकू से नौ वार किए तथा बीच बचाव करने के गए अमोल के भाई कुंदन पर भी चाकू से हमला कर फरार हो गए। हमले में गंभीर रूप से घायल अमोल को निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस ने चारों हमलावरों के खिलाफ हत्या की कोशिश का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हार्दिक पटेल के उपवास के ११वें दिन शत्रुघ्न सिंह और यशवंतसिंहा भी मिलने के लिए पहुंचे।

हार्दिक पटेल 11वें दिन भी अनशन पर अडिग, घर के बाहर एम्ब्युलैंस तैनात

अहमदाबाद। 25 अगस्त से अनशनरत हार्दिक पटेल की सेहत लथड़ती जा रही है, इसके बावजूद वह भूख हड़ताल पर अड़िग हैं। हिम्मतनगर से पैदल आ रहे पाटीदारों पर पुलिस लाठीचार्ज के बाद से हार्दिक पटेल ने मेडिकल जांच भी इंकार कर दिया है। हार्दिक पटेल के बिगड़ते स्वास्थ्य को देखते हुए उनके घर के बाहर एम्ब्युलैंस समेत 4 कर्मचारियों को तैनात कर दिया गया है, ताकि आपात स्थिति उन्हें अस्पताल पहुंचाया जा सके।

पाटीदारों का आरक्षण और किसानों की कर्जा माफी की मांग को लेकर पिछले 11 दिनों से भूख हड़ताल कर रहे हार्दिक पटेल के स्वास्थ्य पर गंभीर असर होने लगा है। 11 दिनों के भीतर हार्दिक पटेल का 20 किलो वजन घट गया है। हार्दिक पटेल का वजन 78 किलो से 58 किलो पर आ गया है। लगातार भूख हड़ताल के चलते हार्दिक पटेल को पल्टी और चक्कर आने लगे हैं। इसके बावजूद हार्दिक पटेल ने भूख हड़ताल खत्म करने को तैयार नहीं हैं। दूसरी ओर हार्दिक पटेल के उपवास आंदोलन को देशभर से राजनीतिक समर्थन मिल रहा है। वहीं सरकार को भी हार्दिक पटेल के स्वास्थ्य को लेकर चिंता होने लगी है। किसी भी स्थिति में इमर्जेंसी ट्रीटमेंट देने की जरूरत पड़े तो हार्दिक पटेल को दवाईयां और ऑक्सिजन मिल सके, इसलिए उनके निवास के बाहर एम्ब्युलैंस समेत 4 कर्मचारियों को तैनात कर दिया गया है।

हार्दिक पटेल के मेडिकल चेकअप के लिए सोला सिविल अस्पताल की टीम गई थी। लेकिन हार्दिक पटेल ने यूरिन या ब्लड टेस्ट कराने से इंकार कर दिया। सिविल अस्पताल की डॉ. मनीषा पंचाल ने बताया कि दो दिन हार्दिक पटेल की शारीरिक जांच की गई है ।

रिवॉल्वर और कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

सूरत. रिवॉल्वर कारतूस के साथ घूम रहे एक युवक को उधना पुलिस ने धर दबोचा। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए अभियुक्त का नाम गौरीशंकर बिपतप्रसाद राय (19) है। मंगलवार को उधना सर्वेलेंस स्टाफ की टीम गश्त लगा रही थी, तभी उधना रोड संख्या 6 पर संदिग्ध हालत में नजर आने पर गौरीशंकर को रोका और तलाशी ली तो उसके पास से एक रिवॉल्वर, एक जीवीत कारतूस तथा तीन फूटे हुए कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने रिवॉल्वर और कारतूस जब्त कर आम्र ?स एक्ट के तहत उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त मूलत: उत्तर प्रदेश के बनारस जिले के राजागांव का निवासी है और यहा उधना रोड संख्या 6 पर मारूती इंजीनियरिंग में नौकरी करता है तथा वहीं रहता है।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com